

समाविष्ट वि. (तत्.) 1. व्याप्त 2. जिसका समावेश कर लिया गया हो 3. जो किसी पदार्थ के अंतर्गत हो।

समावृत वि. (तत्.) 1. घिरा हुआ, ढका हुआ, आवृत 2. छिपाया हुआ।

समावृत्त पुं. (तत्.) वह ब्रह्मचारी जो गुरुकुल में अपना अध्ययन पूर्ण कर घर लौट आया हो।

समावृत्ति स्त्री. (तत्.) समाप्ति।

समावेश पुं. (तत्.) 1. सम्मिलित होना, मिलना, एकत्र होना 2. अन्तर्भाव, किसी पदार्थ का दूसरे पदार्थ में अंतर्भाव होना 3. साथ-साथ होना या घटित होना 4. किसी के शरीर में भूत-प्रेत आदि का आवेश।

समावेशक पुं. (तत्.) 1. समावेश करने वाला 2. अंतर्भाव करने वाला।

समावेशन पुं. (तत्.) 1. समावेश करने की क्रिया या भाव 2. प्रमुख समाचारों तथा उससे जुड़े तथ्यों का संग्रह करके उनका विवरण लिखना।

समावेशित वि. (तत्.) जिसका समावेश किया गया हो, समाविष्ट।

समाशोधक वि. (तत्.) रकम का भुगतान करने वाला चेक आदि का भुगतान करने वाला।

समाश्रय पुं. (तत्.) 1. आश्रयस्थान, निवास स्थान, मकान 2. सहारा, शरण, आश्रय, पनाह।

समाश्रित वि. (तत्.) जिसने आश्रय ग्रहण किया हो, अवलंबित, आश्रित पुं. जिसने किसी स्थान पर आश्रय लिया हो, वह जो किसी पर आश्रित हो।

समासंग पुं. (तत्.) मिलन, लगाव, किसी को कोई काम सौंपना।

समासंजन पुं. (तत्.) 1. संयुक्त करना, मिलना 2. संपर्क, संबंध 3. किसी पर जड़ना या रखना।

समास पुं. (तत्.) व्या. 1. योग, मेल 2. संबंध 3. संक्षिप्त करना, संक्षेप 4. संग्रह, संचय 5. दो या अधिक पदों को मिलाकर एक पद का रूप देना।

समासक वि. (तत्.) विराम-चिह्नों के अन्तर्गत एक प्रकार का चिह्न जो समस्त पदों के अलग-अलग शब्दों के बीच लगाया जाता है, समास का चिह्न।

समासकित स्त्री. (तत्.) 1. योग, मेल 2. अनुराग 3. समावेश, अंतर्भाव 4. संबंध।

समासन्न वि. (तत्.) 1. पहुँचा हुआ, प्राप्त 2. निकटवर्ती, समीप का।

समासादित वि. (तत्.) 1. समीप आया हुआ, निकटस्थ 2. प्राप्त 3. युक्त।

समासीन वि. (तत्.) अच्छी तरह बैठा हुआ, आसीन साथ बैठा हुआ।

समासोक्ति स्त्री. (तत्.) एक अर्थालंकार जहाँ विशेष शब्द-रचना के कारण प्रस्तुत से अप्रस्तुत का भान होता है।

समाहत वि. (तत्.) जिसका समाहरण या समाहर हुआ हो।

समाहना अ.क्रि. (तद्.) सामना करना, सामने आना।

समाहरण पुं. (तत्.) 1. संग्रह, एक स्थान पर वस्तुएँ एकत्र करना 2. कर, चंदा, धन आदि उगाहना, वसूली 3. क्रम, नियम आदि के अनुसार ठीक ढंग से सजाकर रखा जाना।

समाहर्ता वि. (तत्.) 1. एकत्र या पूंजीभूत करने वाला, समाहार करने वाला, संक्षिप्त रूप देने वाला पुं. वह राजकर्मचारी जिसके जिम्मे किसी जिले से राज-कर या धन आदि उगाहने का काम होता है।

समाहार पुं. (तत्.) 1. बहुत सी वस्तुओं को एक स्थान पर संग्रह करना, इकट्ठा करना, संग्रह 2. समूह, राशि, ढेर 3. मिलन, मिलाप, जोड़।

समाहार द्वंद्व पुं. (तत्.) द्वंद्व समास का एक भेद जिसमें दो पद आपस में मिलकर वर्ग के बोधक होते हैं जैसे- हाथ-पाँव, दाल-रोटी आदि।

समाहित पुं. (तत्.) पुण्यात्मा व्यक्ति, साधु वि. 1. एक स्थान पर इकट्ठा किया हुआ, केंद्रित 2.